

भाजपा के आठों राज्यसभा उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन, सीएम योगी भी रहे मौजूद

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा के आठों उम्मीदवार मंगलवार को प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद सभी प्रत्याशी विधानसभा जाकर नामांकन दाखिल करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता भी नामांकन के दौरान मौजूद रहेंगे। मतदान 16 अक्टूबर को होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सान्निध्य में राज्यसभा चुनाव के लिए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के सभी आठों प्रत्याशियों



ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन के आखिरी दिन भाजपा प्रत्याशी धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, रामप्रताप सिंह चौहान, श्रुति गंगवार ने विधान भवन में नामांकन दिया। मुख्यमंत्री ने सभी प्रत्याशियों को

शुभकामनाएं दीं। पर्चा दाखिला के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री/भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, आशीष पटेल, डॉ. संजय निषाद, कपिलदेव अग्रवाल, जेपीएस

राठौर, दिनेश प्रताप सिंह, गिरीश चंद्र यादव, ब्रजेश सिंह, सतीश चंद्र शर्मा, रजनी तिवारी, बलदेव सिंह औलख आदि मौजूद रहे। मंगलवार सुबह आठों प्रत्याशी भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। उनके पहुंचते ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुट गए। ढोल-नगाड़ों के साथ प्रत्याशियों का स्वागत किया गया। इसके

बाद सभी उम्मीदवार समर्थकों और पार्टी नेताओं के साथ विधानभवन के लिए रवाना हुए। नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तारीख 6 अक्टूबर है। इसके बाद 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 9 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 16 अक्टूबर को होगा। सपा ने नहीं उतारा तीसरा उम्मीदवार- राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की ओर से रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवाणी पहले ही नामांकन कर चुके हैं। मंगलवार को अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि सपा तीसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारेगी। इससे उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के चुनाव का मौजूदा समीकरण और स्पष्ट हो गया है।

मायावती बोलीं- अब आकाश को निकालने की नौबत नहीं आएगी, अशोक सिद्धार्थ के संन्यास के बाद बदलाव की उम्मीद

मायावती ने आकाश आनंद को दोबारा बसपा में राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी देने के बाद मीडिया रिपोर्टों पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के बाद आकाश के व्यवहार में बदलाव की उम्मीद है। मायावती ने भरोसा जताया कि अब उन्हें दोबारा संगठन से अलग करने की नौबत नहीं आएगी। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने आकाश आनंद को दोबारा पार्टी में शामिल करने और राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी सौंपने के बाद मीडिया में चल रही खबरों पर सफाई दी है। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद की पार्टी में वापसी को लेकर अधिकांश मीडिया में जिस तरह से खबरें प्रकाशित की जा रही हैं, उसमें पूरे घटनाक्रम की सही तस्वीर सामने नहीं आ रही है। मायावती के मुताबिक, आकाश आनंद शादी से पहले से ही बसपा में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे और उस दौरान उनके खिलाफ पार्टी



को कोई शिकायत नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि इसी वजह से उस समय उन्हें पार्टी से अलग करने की जरूरत नहीं पड़ी। मायावती ने आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ का जिक्र करते हुए कहा कि उनके साथ रिश्ता होने के बाद ऐसी परिस्थितियां बनीं, जिनमें आकाश आनंद के राजनीतिक आचरण में सुधार के उद्देश्य से संगठनात्मक स्तर पर कई फैसले लेने पड़े। उन्होंने कहा कि गलती का एहसास होने के बाद आकाश को दोबारा जिम्मेदारी भी दी गई। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, आकाश आनंद को मई 2024 और मार्च 2025 में पार्टी

से निकालने के बाद वापस लिया गया था। सितंबर 2026 में उन्हें फिर पार्टी से अलग किया गया और अब पांच अक्टूबर को मायावती ने उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल करते हुए राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। अशोक सिद्धार्थ के संन्यास के बाद बदलाव की उम्मीद- मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के बाद अब ऐसी स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए, जिसमें आकाश आनंद को दोबारा संगठन से अलग करने की जरूरत पड़े। उन्होंने उम्मीद जताई कि आकाश आगे पार्टी के लिए काम करेंगे और राजनीतिक रूप से आगे बढ़ेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पद्मश्री रमेश बाबा ब्रह्मलीनः ब्रज की गोसेवा से पहाड़ियों-कुंडों तक जीवन किया समर्पित, बरसाना में शोक की लहर

पद्मश्री से सम्मानित ब्रज के विरक्त संत रमेश बाबा के ब्रह्मलीन होने की खबर से बरसाना समेत पूरे ब्रज में शोक की लहर है। उन्होंने राधारानी की भक्ति, गोसेवा और ब्रज की पहाड़ियों, कुंडों व प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। ब्रज के विरक्त संत और पद्मश्री से सम्मानित रमेश बाबा के ब्रह्मलीन होने की खबर से बरसाना समेत पूरे ब्रज में शोक की लहर दौड़ गई। राधारानी की भक्ति, गोसेवा और ब्रज की प्राकृतिक एवं धार्मिक धरोहरों के संरक्षण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले रमेश बाबा ने बरसाना के मान मंदिर को अपनी साधना स्थली बनाया। उनके प्रयासों से ब्रज में गोसेवा, कुंड संरक्षण, ब्रज यात्रा, पर्वतों को खनन से बचाने और हरिनाम संकीर्तन के क्षेत्र में बड़े काम हुए। 1938 में प्रयाग में हुआ जन्म- रमेश बाबा का जन्म 1938 में तीर्थश्राव प्रयाग में हुआ था। उनके पिता बलदेव प्रसाद शुक्ल प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य थे, जबकि माता का नाम हेमेश्वरी देवी था। मान मंदिर की जीवनी के अनुसार उनका जन्म पौष मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को दोपहर 12 बजे हुआ था। उनके पिता ने बचपन में ही उनके संत जीवन की भविष्यवाणी की थी। उन्होंने प्रयाग में शिक्षा प्राप्त की और कम उम्र में ही आध्यात्मिक जीवन की ओर उनका झुकाव बढ़ गया। अनुसार उन्होंने 16 वर्ष की उम्र तक अपनी महाविद्यालयीन शिक्षा पूरी कर ली थी।

ज्ञानेश भाई हो गया, अब इस्तीफा देने का समय: राहुल ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना, धरने पर बैठे

इंडिया ब्लॉक के के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों ने चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़े कथित मुद्दों के खिलाफ मंगलवार को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। चुनाव आयोग की ओर मार्च के दौरान बैरिकेडिंग के बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी धरने पर बैठ गए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली में चुनाव आयोग के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के विरोध प्रदर्शन के दौरान धरने पर बैठ गए। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा समेत इंडिया ब्लॉक के कई सांसद भी मौजूद रहे। विपक्षी सांसद चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों तथा एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर मार्च कर रहे थे। चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर बढ़ रहे विपक्षी सांसदों को रास्ते में पुलिस की बैरिकेडिंग का सामना करना पड़ा। इसके बाद राहुल गांधी समेत कई सांसद नीति आयोग कार्यालय के पास धरने पर बैठ गए। इस दौरान कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता सूची से जुड़े सवालों को लेकर विरोध जताया। विरोध मार्च के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद दिल्ली पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड को पार करने की कोशिश करते नजर आए। कुछ सांसद बैरिकेड पर चढ़ गए। पुलिस और प्रदर्शनकारी सांसदों के बीच रास्ते को लेकर स्थिति



बनी रही। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए विजय चौक और आसपास के इलाकों में कई स्तरों पर बैरिकेडिंग की गई थी। मार्च के दौरान विपक्षी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखे सवाल उठाए। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने उनके इस्तीफे की मांग करते हुए चुनावों में कथित 'वोट चोरी' का आरोप लगाया। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव के अलावा हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में भी कथित गड़बड़ियों के दावे किए। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद डॉ. सैयद नासिर हुसैन ने इंडिया ब्लॉक के विरोध मार्च के दौरान चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना चाहिए और एसआईआर को तत्काल रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मतदाता सूची से हटाए गए सभी वोटों को दोबारा शामिल किया जाए और इस कथित साजिश के पीछे किन ताकतों का हाथ है, इसका पता

लगाने के लिए उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि जिम्मेदार लोगों को बेनकाब किया जा सके। राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र बचाने की कोशिश कर रहा है। राहुल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने की मांग की। इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन के बीच राहुल गांधी ने केंद्र बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम लोग लोकतंत्र बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में लोकसभा-राज्यसभा के 300 सांसद शामिल हुए हैं। राहुल गांधी ने क्या कहा? - उन्होंने आगे कहा, %हम लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके साथियों से मिलना चाहते थे। चुनाव आयोग का काम सही तरीके से चुनाव कराना है, पता नहीं ज्ञानेश कुमार क्यों डरे हैं? अगर लोकसभा-राज्यसभा सांसद से चुनाव आयुक्त नहीं मिलेंगे तो लोकतंत्र का क्या मतलब? एक बात मैं साफ कहता हूं, कोई भी नहीं बचेगा,

चाहे वो नरेंद्र मोदी हो, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और मोहन भागवत हो। सब पर कार्रवाई होगी, इन्होंने हमारे देश को और आपके देश को नुकसान पहुंचाया है। राहुल गांधी ने आगे कहा, %हम न सिर्फ उनका (भाजपा) मुकाबला करेंगे, बल्कि उन्हें खत्म कर देंगे। हमारे देश के साथ जो किया गया है। वह देशद्रोह है। कोई भी बच नहीं पाएगा। करीब 300 सांसद चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने हमें यहीं रोक दिया। हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं, लेकिन हमें नहीं पता कि हमें यहां क्यों रोका गया है। हमें समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं% जबकि चुनाव आयोग का दफ्तर यहां से सिर्फ 50 मीटर दूर है। विपक्ष के 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं, लेकिन वे डरे हुए हैं। देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले?

आज कामचोर शोर मचा रहा: इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन पर भाजपा हमलावर, पूछा- किसे लाभ पहुंचाना चाहती है कांग्रेस

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन पर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लगातार संवैधानिक संस्थाओं और देश की विभिन्न संस्थाओं पर सवाल उठाती रही है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमजोर करने तथा संस्थाओं में हस्तक्षेप की कोशिश करने का आरोप लगाया। इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन पर भाजपा लगातार हमलावर हो रही है। मंगलवार को भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी की प्रेस वार्ता की। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने किसी सांविधानिक संस्था को नहीं छोड़ा है। इसके साथ ही कांग्रेस से कई सवाल पूछें। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने क्या कहा? - चुनाव आयोग तक इंडिया



गठबंधन के सांसदों के विरोध मार्च पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस ने अब तक देश की कितनी संस्थाओं पर आरोप लगाए हैं? एक दर्जन? आधा दर्जन? दो दर्जन? भारतीय सेना से लेकर भारतीय वायु सेना, देश की सुरक्षा, एलआईसी, एचएएल, एसबीआई, एसईबीआई, वैक्सोन, न्यायपालिका और भारतीय मीडिया तक इस बात पर एक क्रिज प्रतियोगिता होनी चाहिए

कि कांग्रेस, और खासकर राहुल गांधी ने भारत की कितनी संस्थाओं पर आरोप लगाए हैं। वह विदेश जाकर ये सब बातें कहते हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा, हमारी मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस का पहला परिवार पिछले चार पीढ़ियों से लोकतंत्र की आड़ में राजशाही चला रहा है, और असल में लोकतंत्र का गला घोट रहा है। आज उन्होंने आकाशवाणी में घुसपैठ करने की कोशिश की। उन्होंने आगे कहा, %मैं कांग्रेस से साफ तौर पर पूछना चाहता हूं। वे बिना किसी जांच-पड़ताल के अनुपस्थित, दूसरी जगह चले गए, मृत और डुप्लिकेट वोटों को वोटिंग का अधिकार देकर किसे फायदा पहुंचाना चाहते हैं? क्या कांग्रेस ऐसा करके किसी को फायदा पहुंचाना चाहती है?

अभिजीत दीपके का आरोप: सीजेपी कार्यकर्ताओं को दिल्ली जाने से रोक रही पुलिस, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

कॉकरोच जनता पार्टी संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि चंद्रपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं को पुलिस नोटिस देकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित आंदोलन में शामिल होने से रोका जा रहा है। उन्होंने पुलिस द्वारा यात्रा खर्च के स्रोत और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पूछताछ पर भी सवाल उठाया है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि



पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस नोटिस दिए जा रहे हैं और उन्हें 10 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले सीजेपी के प्रस्तावित आंदोलन में शामिल न होने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' अब सिर्फ एक नारा रह गया है

और असली मकसद 'एक देश, एक राजनीतिक पार्टी' बनाने का है। राष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीजेपी ने 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने का एलान किया है। इस प्रदर्शन के जरिए पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करेगी। दीपके का दावा है कि चंद्रपुर पुलिस ने सीजेपी के कुछ कार्यकर्ताओं को नोटिस दिया है।

संपादकीय Editorial

The 'Manifesto' is Missing!

Our country has two prominent constitutional institutions: the Supreme Court and the Election Commission. The Supreme Court often does not interfere with the Election Commission's decisions, procedures, and campaigns. It has been argued that it, too, is a constitutional body and therefore understands the dignity and legitimacy of the Constitution. However, the Supreme Court has consistently conducted partial reviews of the Commission's decisions. The question is, why did the Supreme Court not declare the declaration attached to Form 6 as 'illegal'? Why was the Commission not instructed that any changes to Form 6 were beyond its jurisdiction? The Election Commission could only make any changes after the approval and notification of Parliament and the Government of India. Now, on September 26th, the Commission's decision came out that where a 'Special Intensive Review' (SIR) has already been conducted or is yet to be conducted, the declaration form with Form 6 is not mandatory. On September 30th, the declaration accompanying Form 6 disappeared from the Commission's software system. Where did the declaration go? Who decided to remove it? Was this a "joint decision" between Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar Gupta and the two Election Commissioners—Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi—? The country has a democratic and constitutional right to know. Leader of the Opposition Rahul Gandhi's questions in the Lok Sabha also seem logical: on whose orders were the illegal changes made to Form 6? Who gave the order to Tata Consultancy Services (TCS)? Who gave the approval to the company? However, the Leader of the Opposition has not yet raised the issue of the declaration's disappearance. The removal or disappearance of the declaration is significant because millions of legitimate voters were being forced to fill out the declaration. A provision was built into the software that if a voter did not confirm their parents' or grandparents' voter status or did not fill out that column, they would not be included in the voter list. Through the Form 6 declaration, voters are also being forced to lie, claiming they are first-time voters and have never voted before. This issue should also be raised before the Supreme Court. At a meeting of the "INDI" coalition, renowned lawyer and MP Kapil Sibal suggested filing an FIR against Seema Khanna, Director General of IT Software Systems at the Commission, as CEC Gyanesh enjoys "legal protection" under the 2023 Act. Consequently, it was decided to file FIRs against Seema Khanna across the country. This is also part of the opposition's "political movement." However, the declaration requirements accompanying Form 6 were a system of gross "constitutional cruelty" and illegality. If the two dissenting Election Commissioners had not publicly raised questions about this, the "fraud" of Form 6 would certainly not have been exposed. However, the Election Commission has still not clarified at what level the decision to remove the declaration accompanying Form 6 was taken. Will those whose voting rights were taken away due to the manifesto be restored? And when will this be possible? What happened between July and September that caused the manifesto to suddenly disappear? The administrative process for its removal has not been disclosed. If the manifesto hasn't been removed, why is it not visible on the software? The Election Commission may not tell the people, but it will have to tell the truth before the Supreme Court. The Supreme Court is also facing a litmus test, as a petition has declared the SIR "illegal" and demanded its removal and abolition. Petitions challenging the basis and transparency of the notices issued in Delhi.

The problems of the general category should also be heard.

Political parties should also recognize the unease of the general category, which appears to be concerned for various reasons. The Bihar Upper Caste Commission decided to appoint a nodal officer. More than 50% of the general category population is economically weak. The Karpoori Thakur formula paved the way for reservation for poor upper castes. Recently, the central government announced that it is reconsidering the University Grants Commission (UGC) regulations designed to promote equality and prevent discrimination in higher educational institutions, which the Supreme Court had suspended in January this year, citing them as "vague and prone to misuse." Therefore, the court may postpone hearings on these petitions until this process is completed. At that time, agitating students had claimed that the UGC regulations were discriminatory and unfair to them. Meanwhile, in a significant decision, the Upper Caste Commission, constituted by the Bihar government, decided to appoint a nodal officer in every district. Its objective is to quickly resolve complaints from the upper castes, or the general category, and save them the hassle of running around government offices. The Commission believes that more than 50 percent of the people in this category are economically vulnerable. The Commission is implementing a new system to ensure that these people receive timely benefits from government schemes and administrative assistance. This government decision is being viewed in the context of the results of the by-election for the Bankipur Assembly seat, but it should be noted that the general category is also concerned for various reasons in other states. The first upper caste commission in the country was formed in 2011 under the leadership of former Bihar Chief Minister Nitish Kumar to investigate the educational and economic background of the general category. In 2013, the Commission submitted its report to the government based on a survey of 11 districts, stating that upper caste families earning ₹1.5 lakh annually should be considered poor. Poor upper castes should be included in the scope of all welfare schemes. Students from grades 1 to 10, whose family income is ₹1.5 lakh or less, should also receive scholarships from general category students. The Nitish Kumar government began implementing the recommendations of the Upper Caste Commission, and children from upper caste families with annual incomes of less than ₹1.5 lakh who pass the 10th grade in first division will receive an incentive of ₹10,000. During the past 21 years of the NDA government's rule, the NDA has consistently received the majority of the upper caste vote. The defeat of the NDA candidate in Bankipur has prompted political parties to sense the general category's unease. The impact of this defeat has reached other states, where SP President Akhilesh Yadav recently surprised everyone by renaming his alliance. In Uttar Pradesh, the "PDA" (Political Development Partnership) has been widely publicized, defining backward classes, Dalits, and minorities. Recently, on the birth anniversary of socialist leader Janeshwar Mishra, Akhilesh Yadav changed the entire definition of "P" (Backward Class) by referring to it as "Pandit." Now, the Samajwadi Party (SP) and the BSP are outdoing their rival parties in wooing the upper castes. Bihar is known as a fertile ground for social change. Bharat Ratna awardee Karpoori Thakur was the first politician to advocate reservation for the weaker sections of the upper castes. In 1971, the Mungerilal Commission was formed to provide reservation for these classes. Its recommendations remained confined to paper. After the formation of the Janata Party in 1977, Karpoori became the Chief Minister of Bihar and, while implementing reservation for backward classes, initiated a significant experiment aimed at ensuring that the benefits of reservation were not limited to the relatively empowered backward castes, but also extended to the most backward and economically disadvantaged caste groups within the upper castes. The Karpoori Thakur formula is considered a milestone in the politics of social justice, under which a separate three percent reservation was established for poor upper castes and women. This opened a path for reservation for economically poor upper castes. In 1991, during the tenure of P.V. Narasimha Rao as Prime Minister, the Congress government decided to provide 10 percent reservation to the poor in the general category. Earlier, in 1990, amid intense anti-Mandal protests, V.P. Singh had also advocated for 10 percent reservation for these classes. The Rao government's decision was struck down by the Supreme Court in 1992. Then, in 2003, the Vajpayee government formed a Group of Ministers in this regard. Finally, in 2019, the NDA government under Prime Minister Modi took two steps forward and enacted a law providing 10 percent reservation to the economically weaker sections. Although not all the recommendations of the Upper Caste Commission formed in Bihar in 2011 were implemented, its formation has created an ambitious group within the general category—not only in Bihar but also in other parts of the country. This group is now actively pursuing its interests. It is in the interest of society and the nation that the legitimate demands of the general category, like those of other classes, should be heard.

Attacks on Institutions Not Good for Democracy

Overall, the Indian political landscape is currently in a delicate state. To prevent this from becoming more delicate, it will be essential to avoid politicizing institutions like the Election Commission. The opposition is aggressive on the Election Commission and the voter list revision. Congress has launched a campaign against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. Political attacks on institutions can be detrimental to democracy. Recently, a new tone of opposition politics has been observed. The Election Commission and the voter list revision (SIR) process being conducted by it are bearing the brunt of this aggression. Following a recent report in an English daily about the altercation between the Chief Election Commissioner and the two other commissioners, the opposition, and primarily the Congress, has become increasingly aggressive against the Election Commission. In this context, Congress has called a meeting of the INDIA on September 30th and announced a campaign against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. The Cockroach Janata Party (CJP) also called for a protest in Mumbai on October 2nd demanding the resignation of Gyanesh Kumar. Given this development, it's natural to question whether the issue of the Election Commission and the SIR could prove to be a lifeline for opposition parties and foster unity among them. As far as the SIR is concerned, while it may have sparked some controversy, it is an absolutely necessary process. If the Election Commission has the fundamental responsibility of conducting free and fair elections in the country, it is equally important for this constitutional body to ensure that only valid voters participate in the electoral process. Without valid voters, free and fair elections would be meaningless. To achieve this objective, a process like the SIR becomes even more crucial. In a vast and diverse democracy like India, discrepancies in voter lists are common. This is because the death, relocation, or presence of voters in multiple constituencies contribute to discrepancies that need to be addressed periodically. This purification is no easy task. Since this process is being conducted on such a large scale, it is natural for some errors to remain. The Election Commission must also ensure that any discrepancies discovered during this process are promptly rectified to prevent any blame. The opposition is busy building its narrative by raising certain shortcomings in the SIR process. The SIR process began with the Bihar Assembly elections, but opposition parties, especially the Congress, have been raising the issue of vote-stealing since the Maharashtra Assembly election results. Several elections have been held since then, but the issue does not appear to have had any significant impact. Now, Rahul Gandhi is even linking the 2024 Lok Sabha elections to vote-stealing, but it is a big question whether his narrative will have any impact on the public. It would not be wrong to say that this will weaken the Election Commission as an institution and also impact the stature of the Chief Election Commissioner. There's no doubt that the main opposition party, the Congress, achieved a much greater success in the last Lok Sabha elections. The party fell just short of triple digits, but after two consecutive Lok Sabha elections, this victory was certainly respectable. The BJP, which came to power, was not as powerful as before. In any case, when a government enters its third consecutive term, it inevitably faces some difficulties. Current domestic and global challenges have also made the government's path more difficult. The economic challenges, in particular, could further exacerbate the government's difficulties, as people face the brunt of unemployment and inflation, which will impact the government's popularity. Issues like paper leaks also exacerbated the problems, and the CJP's protests resulted in the resignation of the Education Minister. Previously, such ministerial resignations had not occurred in the Modi government. This indicates that the government has become somewhat defensive. The opposition's strength has increased somewhat, but it has also weakened on some fronts. The Trinamool Congress, once considered a vocal opposition party and a frequent contender for leadership, has not only lost power in Bengal but also lost many of its MPs. The party is facing the challenge of survival. Similarly, the DMK, which long served as a shield for the Congress in the South, has also been decimated. The DMK, which was extremely aggressive on the delimitation issue, not only finds itself politically marginalized, but its alliance with the Congress has also broken down. After losing power in Kerala, the Left parties are now completely powerless. While the Left has never been a major political force, they have always played a key role in galvanizing.

120वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के लिए 56 प्रगतिशील कृषकों का दल पंतनगर रवाना।

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित 120वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने के लिए जनपद मुरादाबाद के 56 प्रगतिशील कृषकों के दल को जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने हरी झंडी दिखाकर दो दिवसीय भ्रमण के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में निरंतर हो रहे तकनीकी एवं वैज्ञानिक नवाचारों की जानकारी किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसान मेलों एवं कृषि प्रदर्शनियों के माध्यम से कृषकों को उन्नत कृषि पद्धतियों,



आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा कृषि आधारित नवीन उद्यमों की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त होती है। उन्होंने भ्रमण पर जा रहे कृषकों से कहा कि

वे किसान मेले में प्रदर्शित उन्नत कृषि तकनीक, कृषि यंत्रीकरण, फसल विविधीकरण, संरक्षित खेती, सूक्ष्म सिंचाई, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, उच्च उत्पादकता वाली प्रजातियों तथा

कृषि प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन से संबंधित तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें और इसका लाभ अपने क्षेत्र के अन्य किसानों तक भी पहुंचाएं। दो दिवसीय भ्रमण का उद्देश्य

जनपद के प्रगतिशील कृषकों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीनतम अनुसंधान एवं तकनीकी विकास से परिचित कराना तथा उन्हें आधुनिक एवं उन्नत कृषि पद्धतियों के साथ-साथ कृषि आधारित व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित करना है। किसान मेले में विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सरकारी विभागों एवं कृषि उद्योगों द्वारा उन्नत कृषि तकनीकों, बीजों, कृषि यंत्रों, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उत्पादों तथा कृषि प्रसंस्करण से संबंधित प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए गए हैं।भ्रमण के दौरान कृषकों को उन्नत बीज उत्पादन एवं उपयोग, फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, कीट एवं

रोग नियंत्रण, कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन तकनीक, आधुनिक सिंचाई पद्धतियों, पशुपालन, उद्यानिकी, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, कृषि प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन सहित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उप निदेशक कृषि श्री रविकांत ने बताया कि पंतनगर से लौटने के बाद चयनित 56 प्रगतिशील कृषक किसान मेले से प्राप्त नवीन तकनीकी जानकारीयों एवं अपने अनुभवों को जनपद के अन्य कृषकों के साथ साझा करेंगे। इससे जनपद में आधुनिक कृषि तकनीकों के व्यापक प्रसार, कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा कृषकों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मिशन संपूर्ण समाधान के तहत करीब 100 से अधिक प्रकरणों का अंतिम रूप से निस्तारण

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने सभी तहसीलों को प्रतिदिन कम से कम पांच प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश। माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप जनपद में पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री अनुनय झा के नेतृत्व में

‘मिशन संपूर्ण समाधान’ प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत सभी को तहसीलों में शिकायतों के अंतिम रूप से निस्तारण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अब तक इस अभियान के तहत करीब 100 से अधिक प्रकरणों का अंतिम रूप से निस्तारण सुनिश्चित कराया जा चुका है। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक तहसील में प्रतिदिन कम से

कम पांच प्रकरणों का अंतिम रूप से निस्तारण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता न हो, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। सोमवार को अभियान के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण प्रकरणों का निस्तारण किया गया। तहसील सदर स्तर पर ग्राम धनूपुर के फारूक तथा लोधीपुर राजपूत के कमल सिंह के खतौनी में नाम दुरुस्तीकरण

से संबंधित मामलों का समाधान कराया गया। इसी प्रकार तहसील बिलारी में वाछलभूड़ की श्रीमती मीरा द्वारा वरासत के संबंध में दिए गए शिकायती पत्र का अंतिम रूप से निस्तारण किया गया। खतौनी में अंश निर्धारण से संबंधित मामलों का भी अंतिम रूप से समाधान कराया गया। वहीं तहसील ठाकुरद्वारा में असलेमपुर की रिंकी का राशन कार्ड बनवाया गया तथा विनीता कुमारी के विद्युत बिल में सुधार से संबंधित शिकायत

का भी निस्तारण सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया है कि राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों के साथ-साथ अन्य विभागों से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए स्थानीय स्तर पर तैनात संबंधित अधिकारियों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाए। पात्रता के अनुरूप लाभार्थियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही शिकायतकर्ताओं की समस्याओं

का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि ‘मिशन संपूर्ण समाधान’ का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उसकी समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करना है। अभियान की नियमित समीक्षा करते हुए निस्तारित प्रकरणों की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश।

1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित किए जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान के संबंध में जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों की विभागवार प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सहायक करण अधिकारी तथा जिला पूर्ति अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित



अधिकारियों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि चूहा एवं छछूंदर के कारण फैलने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपायों एवं आवश्यक सावधानियों के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में

व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को साफ-सफाई, खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण तथा चूहा एवं छछूंदर नियंत्रण के प्रभावी उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संचारी रोगों के संक्रमण की

अवधि में पशुओं को सुरक्षित रखने के उपायों के संबंध में पशुपालकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा पशुओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि नहरों एवं उनके आसपास उगी झाड़ियों तथा अनावश्यक वनस्पति की साफ-सफाई बेहतर ढंग से कराई जाए, ताकि मच्छरों एवं अन्य संक्रामक रोगों के वाहक जीवों के पनपने की संभावना को कम किया जा सके।बैठक में जिलाधिकारी ने 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले दस्तक अभियान को भी प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान

के दौरान बच्चों को आयरन एवं कैल्शियम की दवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ पूर्व में संचालित अभियानों में छूटे हुए बच्चों को भी चिन्हित करके उन्हें एल्बेंडोजोल एवं एचपीवी वैकसीन से आच्छादित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी

एवं परिणामपरक बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता, साफ-सफाई और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सुख समृद्धि के लिए पितरपूर्वजों का प्रसन्न रहना आवश्यक

बिलारी। पितृपूज चल रहा है इसमें सनातन धर्मावलंबी अपने-अपने पितरपूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं। कोई भागवत कथा तो कोई श्राद्ध कर्म तो कोई दान पुण्य करके अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए प्रयास कर रहे हैं। देव कार्य करने वाले पुरोहित बंधु भी अत्यंत व्यस्त हैं और उनकी यह व्यस्तता अभी नवरात्र के बाद वाली एकादशी तक लगातार रहेगी एक-एक पुरोहित को अनेक स्थानों पर श्राद्ध तर्पण कार्य करवाना पड़ रहा है अधिकतर यजमान भी पुरोहितों के माध्यम से ही श्राद्ध करवा कर संतुष्ट होते हैं जिसमें देवताओं का तर्पण, ऋषि तर्पण, गुरु वंश, ससुराल वंश, ननिहाल वंश, मित्र बंधु बांधवों के लिए भी तर्पण होता है। जबकि सरकारी नौकरियों और अन्य विशेष कारोबारों में व्यस्त रहने वाले मजबूरन स्वयं अपने स्तर से भी श्राद्ध कार्य करते हैं। तर्पण करता ओम विहार निवासी अशोक शर्मा का कहना है कि जिन पूर्वजों के माध्यम से हम



मृत्यु लोक में आए हैं उनका हम पर सदैव ऋण बना रहता है उनका सम्मान करने के लिए 16 दिन विशेष रूप से बनाए गए हैं इन दिनों में हमें उनके प्रति उनकी मुक्ति के लिए उनकी संतुष्टि के लिए उनका आशीर्वाद पाने के लिए दान पुण्य सच्चे मन से श्रद्धापूर्वक करना चाहिए। शिव मंदिर बच्चा बाग के पुजारी पंडित ताराचंद शर्मा का कहना है कि जिस घर के पितर पूर्वज प्रसन्न होते हैं वह आशीर्वाद से धन-धान्य भर देते हैं। इसलिए हमें सदैव उनका स्मरण करना चाहिए। भवन का ग्रह प्रवेश हो, मांगलिक कार्य, कोई धर्मिक कार्य हो हमें उनकी पूजा भी अवश्य करनी चाहिए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)				
नोटिस :				
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहल्ला अन्सारीयान वार्ड संख्या-13 तहसील, बिलारी स्थित भवन संख्या-107 जो गृहकर अभिलेखों में श्री ताहिर हुसैन पुत्र श्री जाहिद हुसैन निवासी मौहल्ला अन्सारीयान कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के नाम दर्ज है पर श्रीमती शबाना पत्नी स्व0 श्री ताहिर हुसैन आदि निवासीगण मौहल्ला अन्सारीयान कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के गृहकर अभिलेखों में श्री तालिब हुसैन पुत्र श्री स्व0 ताहिर हुसैन के नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-20/06/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ वारिसान प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गयी है।				
क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	107	अन्सारीयान	श्री ताहिर हुसैन पुत्र श्री जाहिद हुसैन	श्री तालिब हुसैन पुत्र श्री स्व0 ताहिर हुसैन
उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।				
राजस्व-निरीक्षक नगर पालिका परिषद बिलारी				

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में 1800 शीशी कोडीन सिरप पकड़ा, तीन गिरफ्तार, मुरादाबाद के सप्लायर की तलाश

रामपुर में गंज पुलिस ने नानकार बाईपास के पास खंडहर से 1800 शीशी कोडीनयुक्त सिरप के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मुरादाबाद से सिरप लाकर रामपुर में महंगे दामों पर बेचने की बात सामने आई। मामले में मुरादाबाद निवासी सरफराज उर्फ चिम्पैजी को भी आरोपी बनाया गया है, जिसकी तलाश जारी है।रामपुर जिले में एक बार फिर कोडीनयुक्त सिरप की खेप पकड़ी गई है। गंज पुलिस ने नानकार बाईपास के पास एक बाग में बने खंडहर से 1,800 शीशी कोडीनयुक्त सिरप बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बरामदगी के दौरान छह प्लास्टिक के कट्टों में सिरप की शीशियां और 7,300 रुपये मिले। मामले में मुरादाबाद निवासी एक अन्य व्यक्ति को भी आरोपी बनाया गया है। सीओ सिटी अभिषेक श्रीवास्तव के अनुसार, गंज थाना प्रभारी निरीक्षक हिमांशु चौहान के नेतृत्व में टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र के जुमेरात का बाजार निवासी राजा, मूंडापांडे थाना क्षेत्र के सकटू नगला निवासी मोहम्मद जाकिर और गंज थाना क्षेत्र के बघी गांव निवासी राजा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मुरादाबाद से कोडीन सिरप खरीदकर रामपुर लाते थे और यहां ऊंचे दामों पर बेचते थे। सीओ के मुताबिक बघी गांव निवासी राजा की भूमिका कथित खरीदार के तौर पर सामने आई है जो पहले से दोनों के संपर्क में था और बरामद सिरप खरीदने के लिए मौके पर पहुंचा था।आरोपियों से पूछताछ में सरफराज उर्फ चिम्पैजी निवासी कोहिनूर तिराहा मुरादाबाद का नाम भी सामने आया है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। आरोपियों के कथित बयान पर पुलिस ने सरफराज को सिरप उपलब्ध कराने वाला व्यक्ति बताते हुए मुकदमे में आरोपी बनाया है। तलाशी में छह प्लास्टिक के कट्टों से ट्रिप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड और कोडीन फॉस्फेट युक्त सिरप की 1,800 शीशियां तथा 7,300 रुपये नकद बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर गंज थाने में मामला दर्ज किया गया है।बघी गांव निवासी राजा के खिलाफ 49 मुकदमे हैं दर्ज-सीओ सिटी के अनुसार पुलिस रिकॉर्ड में राजा के खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस अधिनियम, गैंगस्टर अधिनियम, आबकारी अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2026 के मौजूदा मुकदमे को शामिल करते हुए पुलिस ने उसके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 49 बताई है। जाकिर के खिलाफ भी मुरादाबाद के मझोला थाने में एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित पूर्व में मुकदमा दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है।कोडीनयुक्त सिरप के एक साल में आठ से ज्यादा मामले, छह में आरोपपत्र-कोडीनयुक्त सिरप की अवैध बिक्री और बरामदगी से जुड़े मामले पिछले एक साल में लगातार सामने आए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जिले में ऐसे आठ से ज्यादा मामले कोतवाली, गंज और सिविल लाइंस थानों में दर्ज हो चुके हैं। इनमें से छह मामलों में पुलिस आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल कर चुकी है।

दो माह से दहशत का पर्याय बना तेंदुआ पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

राजपुर मिलक में आधी रात तक गुर्राता रहा तेंदुआ, लाठी-डंडे लेकर पहुंचे ग्रामीण; वन विभाग की टीम ने सुरक्षित कब्जे में लिया ठाकुरद्वारा के राजपुर मिलक गांव में दो माह से दहशत का कारण बना तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। रात में दहाड़ सुनकर ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पहुंचे, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित कब्जे में लिया।थाना क्षेत्र के राजपुर मिलक गांव में करीब दो माह से ग्रामीणों के लिए परेशानी और दहशत का कारण बने तेंदुए को आखिरकार वन विभाग ने पिंजरे में कैद कर लिया।तेंदुए के गुर्राते और दहाड़ने की आवाजें सुनाई दीं। करीब आधे घंटे तक लगातार आवाजें आने के बाद ग्रामीणों को पिंजरे में तेंदुए के फंसने का अंदेशा हुआ। सूचना फैलते ही गांव में हलचल मच गई। लाठी-डंडे लेकर पिंजरे तक पहुंचे ग्रामीण-बाल्मीकि बस्ती निवासी इंदू वाल्मीकि और बाबूराम वाल्मीकि ने तेंदुए जैसी आवाज सुनाई देने की जानकारी ग्राम प्रधान अशोक कुमार और सहदेव सिंह यादव को दी।

राजपुर मिलक में आधी रात तक गुर्राता रहा तेंदुआ, लाठी-डंडे लेकर पहुंचे ग्रामीण; वन विभाग की टीम ने सुरक्षित कब्जे में लिया ठाकुरद्वारा के राजपुर मिलक गांव में दो माह से दहशत का कारण बना तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। रात में दहाड़ सुनकर ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पहुंचे, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित कब्जे में लिया।थाना क्षेत्र के राजपुर मिलक गांव में करीब दो माह से ग्रामीणों के लिए परेशानी और दहशत का कारण बने तेंदुए को आखिरकार वन विभाग ने पिंजरे में कैद कर लिया।तेंदुए के गुर्राते और दहाड़ने की आवाजें सुनाई दीं। करीब आधे घंटे तक लगातार आवाजें आने के बाद ग्रामीणों को पिंजरे में तेंदुए के फंसने का अंदेशा हुआ। सूचना फैलते ही गांव में हलचल मच गई। लाठी-डंडे लेकर पिंजरे तक पहुंचे ग्रामीण-बाल्मीकि बस्ती निवासी इंदू वाल्मीकि और बाबूराम वाल्मीकि ने तेंदुए जैसी आवाज सुनाई देने की जानकारी ग्राम प्रधान अशोक कुमार और सहदेव सिंह यादव को दी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इय्यँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आईपीएस अधिकारी की जांच में दोषी पाए गए अभियुक्त को थाना असमोली पुलिस ने दी क्लीन चिट

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर राजा/ जनपद संभल के असमोली थाना क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने तो अभियुक्त को अपनी जांच में दोषी ठहराया है तथा पुलिस के कर्मचारी/ विवेचक द्वारा उसको क्लीन चिट दे दी गई है। मामला असमोली थाना क्षेत्र के ग्राम बुकनाला का है। ग्राम बुकनाला के रहने वाले मोहम्मद अब्बास पुत्र स्वर्गीय हसन अब्बास ने पुलिस अधीक्षक जनपद संभल से गांव के ही वसीउल हसन पुत्र नसीमुल हसन के पास चोरी का ट्रैक्टर होने व उसके कूटरचित दस्तावेज तैयार करने की लिखित शिकायत की थी।



दी गई अपनी आख्या में स्पष्ट रूप से बताया गया था कि उक्त ट्रैक्टर व आर0सी0 का हमारे कार्यालय में ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन किसी भी प्रकार का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है तथा आरसी में जो इंजन नंबर व चेसिस नंबर दर्शाए गए हैं वह भी किसी ट्रैक्टर से मैच नहीं खाते हैं। संभागीय परिवहन अधिकारी अजमेर राजस्थान द्वारा दिनांक 3 /8 /2026 को

आख्या व पर्याप्त अभिलेखिए साक्ष्य होने के आधार पर आईपीएस अधिकारी श्री मनोज कुमार रावत अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद संभल ने ग्राम बुकनाला निवासी वसीउल हसन पुत्र नसीमुल हसन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की संस्तुति करते हुए अपनी जांच आख्या श्रीमान पुलिस अधीक्षक जनपद संभल को

प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में डिलारी और करनपुर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। विद्या भारती द्वारा हस्तिनापुर, मेरठ में आयोजित प्रांतीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर डिलारी के छात्र नैतिक ने चक्का फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में 14 जिलों से आए भैया-बहनों ने प्रतिभाग किया। नैतिक की इस शानदार उपलब्धि से सरस्वती शिशु मंदिर डिलारी में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार के प्रधानाचार्य नेपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, ललित, लखेंद्र, पदमा, प्रगति सहित समस्त विद्यालय स्टाफ ने नैतिक का उत्साहवर्धन किया और उसे भविष्य में भी



बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विद्यालय स्टाफ द्वारा नैतिक को शील्ड देकर सम्मानित भी किया गया। वहीं सरस्वती विद्या मंदिर करनपुर के विद्यार्थियों ने भी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। - 14 वर्ग में छात्र विवेक कुमार ने ऊंची कूद में प्रथम स्थान

तथा 800 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। -17 वर्ग में छात्र आदित्य ने ऊंची कूद में द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा बहन नेहा, स्वाति, अनामिका एवं आराध्या ने भी विभिन्न स्पर्धाओं में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियां तेज



क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / जनपद बदायूँ में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के क्रम में प्रमुख जनगणना अधिकारी/ जिलाधिकारी अरुण शर्मा ने निर्देश पर जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों तथा फील्ड ट्रेनर्स का अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स ने अधिकारियों एवं फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान गणना में पूछे जाने वाले 40 प्रश्नों का अवलोकन कराया गया तथा

गणना कार्य के महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने जनगणना कार्य की गोपनीयता एवं संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए स्पष्ट किया कि गणना कर्मियों द्वारा किसी भी व्यक्ति से कोई दस्तावेज अथवा कागज नहीं मांगा जाएगा। जनपद में द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के लिए तीन मास्टर ट्रेनर्स नामित किए गए हैं, जिनके माध्यम से 118 फील्ड ट्रेनर्स को तीन बैचों में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने सेल्फ एन्युमेरेशन (स्व-गणना) को अधिकाधिक प्रोत्साहित करने के

निर्देश देते हुए बताया कि बदायूँ सहित उत्तर प्रदेश में स्व-गणना की अवधि 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। उन्होंने आमजन से जनगणना-2027 में सक्रिय सहभागिता करते हुए स्व-गणना सुविधा का अधिकाधिक उपयोग करने तथा जनगणना कार्य में सहयोग प्रदान करने की अपील की। इस अवसर पर उपजिलाधिकारीगण, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी, बीएसए, डीपीआरओ, डीआईओएस तथा डीआईओ एनआईसी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जहर खाकर युवक ने की आत्महत्या, युवती समेत तीन पर मुकदमा।

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। स्थानीय टोल प्लाजा के पास जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत के मामले में पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर युवती, उसकी मां और भाभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शाहजहांपुर के थाना तिलहर के ग्राम दोसपुर हवेली उर्फ बलेमा निवासी गुरमेल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा रविन्द्र सिंह को जिला रामपुर के थाना खजुरिया के गांव चंडुआ नगला निवासी गुरप्रीत कौर ने अपने प्रेम जाल में फंसाकर उसका वीडियो बना लिया। आरोप है कि ब्लैकमेल कर उसने रविन्द्र से करीब 25 लाख रुपये ऐंठ लिए। रविन्द्र जब रुपये वापस करने की बात कहता था तो गुरप्रीत उसे प्यार का वास्ता देकर आत्महत्या करने के लिए उकसाती थी। साथ ही झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी देती थी। बताया 14 सितंबर 2026 की रात करीब आठ बजे गुरप्रीत कौर ने फोन कर रविन्द्र को स्थानीय टोल प्लाजा पर बुलाया। वहां दोनों ने एक साथ आत्महत्या करने का प्लान बनाया। जिसके तहत गुरप्रीत के उकसाने पर रविन्द्र ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जबकि गुरप्रीत ने जहरीला पदार्थ नहीं खाया। इससे रविन्द्र की मौत हो गई। जहरीला पदार्थ खाने के बाद गुरप्रीत ने रविन्द्र का वीडियो जारी किया। वीडियो देखकर गुरमेल अपने परिजनों के साथ टोल प्लाजा पहुंचे तो रविन्द्र मृत अवस्था में पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा था। आरोप है कि गुरप्रीत को दिखावे के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। ठीक होने पर अगले दिन ही छुट्टी दे दी गई। सोमवार देर शाम को पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने गुरप्रीत कौर, उसकी मां पिन्धर कौर और भाभी सतेन्द्र कौर के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जल्द दोषियों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया जाएगा।

आकांक्षात्मक विकासखंडों की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / बदायूँ विशेष सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन उदय भानु त्रिपाठी तथा विशेष सचिव सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ संजय कुमार सिंह यादव ने मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आकांक्षात्मक विकासखंडों में संचालित विकास कार्यों एवं विभिन्न सूचकांकों की समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पोषण से संबंधित 17 सूचकांक (इंडिकेटर्स), शिक्षा से संबंधित 17 सूचकांक, कृषि एवं संबद्ध सेवाओं से संबंधित 04 सूचकांक सहित अन्य सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न संकेतकों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन सूचकांकों में प्रगति राज्य औसत से कम है, उनमें विशेष रणनीति बनाकर सुधार सुनिश्चित किया जाए तथा संबंधित विभागीय एवं क्षेत्रीय कर्मचारियों के माध्यम से नियमित अनुश्रवण किया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े ऐसे सूचकांक, जिनकी प्रगति राज्य औसत से कम है, उनमें सुधार के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 02 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) अच्छा कार्य कर रहे हैं। निर्देश दिए गए कि अम्बियापुर एवं आसफपुर विकासखंडों में भी अच्छे एफपीओ तैयार कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की आधार सीडिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में प्रत्येक विद्यालय में छात्र-शिक्षक अनुपात को मानक



जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े ऐसे सूचकांक, जिनकी प्रगति राज्य औसत से कम है, उनमें सुधार के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 02 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) अच्छा कार्य कर रहे हैं। निर्देश दिए गए कि अम्बियापुर एवं आसफपुर विकासखंडों में भी अच्छे एफपीओ तैयार कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की आधार सीडिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में प्रत्येक विद्यालय में छात्र-शिक्षक अनुपात को मानक

के अनुरूप करने के निर्देश दिए गए। जल निगम की परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को परियोजनाओं को शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित मानकों के अनुसार पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। आंगनवाड़ी केंद्रों पर शौचालयों की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी शौचालयों को क्रियाशील कराने के निर्देश दिए गए। जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि अम्बियापुर में संचालित टीएचआर प्लांट धनराशि के अभाव में बंद है, इसे शीघ्र संचालित कराया जाए, जिससे योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे

शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर हाई-लेवल बैठक , 23 अक्टूबर को मतदान, 27 को मतगणना

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रेक्षक नवीन कुमार जी.एस. की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल जूम समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें चुनाव से जुड़े 9 जिलों के डीएम और एसएसपी शामिल हुए। आयोग ने साफ निर्देश दिया है कि आचार संहिता का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा और हर बूथ पर वीडियोग्राफी

कराई जाएगी। बरेली मण्डल के आयुक्त सभागार से आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में बरेली, बदायूँ, पीलीभीत, शाहजहांपुर, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरौहा और सम्भल के जिलाधिकारी यानी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया। ?बैठक में प्रेक्षक महोदय ने कड़े दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि ?आदर्श आचार संहिता (MCC) का शत-प्रतिशत और कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। और ?मतदान

कार्मिकों की ट्रेनिंग समय से पूरी कराई जाए। नियमानुसार हर एक बूथ पर वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से होगी। आपको बता दें कि बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन के लिए मतदान 23 अक्टूबर 2026 को संपन्न होगा, जबकि चुनाव के नतीजे यानी मतगणना 27 अक्टूबर 2026 को होगी। प्रेक्षक ने सभी अधिकारियों को तय समय-सीमा के भीतर आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत सभी तैयारियां पूरी करने के सख्त निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार अज्ञात व्यक्ति की पहचान इलाज के दौरान हुई मृत्यु

क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / मुरादाबाद सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना मझोला पर आज दिनांक 05.10.2026 को थाना सविल के सीयूजी न0. 7839867618 से जरिए व्हाट्सएप पर एक किता डेथ मेमो एक अज्ञात पुरुष की मृत्यु जिला अस्पताल में दौराने ईलाज होने के संबंध में सूचना प्राप्त हयी। अज्ञात पुरुष का विवरण निम्न प्रकार है उम्र करीब 40 वर्ष दिनांक 05.10.2026 को समय 21.17 बजे सूचना प्राप्त हुयी की दिनांक 30.09.2026 को समय करीब 01.20 PM बजे EMT – UP32FG2726 रजनीश कुमार के द्वारा एक अज्ञात पुरुष को जिला अस्पताल मुरादाबाद में भर्ती कराया गया था जो दिल्ली रोड राही होटल के सामने, थाना मझोला जनपद मुरादाबाद पर सडक दुर्घटना में घायल हुआ था। जिसकी आज दिनांक 05.10.2026 को 07.30 बजे दौराने ईलाज जिला अस्पताल में मृत्यु हो गयी है। अज्ञात पुरुष के द्वारा पहने हुए कपडे इस प्रकार है... नीले रंग की डेनिम जीन्स, सफेद रंग की फुल बाजू की शर्ट नीले रंग का स्वेटर, काले रंग की चमडे की बेल्ट। अगर किसी को इसकी जानकारी हो तो तत्काल थाना मझोला को अवगत कराए।



उधार के 15 हजार रुपये मांगने पर महिला से मारपीट ,बच्चों को दी धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। रसूला चौधरी गांव की एक महिला ने थाने में तहरीर देकर गांव के ही एक युवक पर उधार दिए गए 15 हजार रुपए वापस मांगने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता रीना पत्नी जानकी प्रसाद ने बताया कि गांव के भूपेंद्र पुत्र धर्मपाल सिंह ने जरूरी काम बताकर उससे तीन किस्तों में 15 हजार रुपये उधार लिए थे। कई बार मांगने पर वह रुपये लौटाने का झांसा देता रहा। आरोप है कि 30 अगस्त को रुपये मांगने पर भूपेंद्र ने उसे रबर फैंकट्री में बुलाया और गाली-गलौज व मारपीट की। विरोध करने पर महिला और उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि धमकी से डर के कारण वह 5 अक्टूबर को थाने पहुंची और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया महिला की तहरीर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सर्राफ को चकमा देकर अंगूठी लेकर फरार युवक दुकान पर पहुंचा

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। मुख्य बाजार में सोमवार को एक युवक ग्राहक बनकर सर्राफा दुकान से सोने की अंगूठी लेकर फरार युवक मंगलवार को दुकान पर खुद पहुंचकर माफी मांगने लगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया। लिखापट्टी और पूछताछ के बाद बुधवार को पुलिस उसे जेल भेजेगी। मोहल्ला साहूकारा निवासी प्रहलाद अग्रवाल की मुख्य बाजार में मोनिका ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह अपने बेटे अंकित अग्रवाल के साथ दुकान पर थे। तभी एक युवक अंगूठी खरीदने के बहाने आया और अंगूठी पहनकर फरार हो गया था। शोर सुनकर लोगों ने पीछा किया, लेकिन वह गलियों में ओझल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरा देखकर जांच पड़ताल की। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार और सीओ हाईवे देवेश सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। व्यापारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई थी। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को दोपहर के समय अंगूठी लेकर फरार युवक खुद सर्राफ की दुकान पर पहुंच गया। अंगूठी देकर अपनी भूल में हुई गलती की बात कहकर माफी मांगने लगा। सर्राफ की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया युवक से पूछताछ चल रही है। बुधवार को उसे जेल भेजा जाएगा।

हत्या के मुकदमे में पैरवी न करने को लेकर धमकी, तहरीर दी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। टिटौली गांव निवासी सखावत नवी ने थाने में तहरीर देकर एक व्यक्ति पर गाली-गलौज करने और हत्या के मुकदमे में पैरवी व गवाही न करने का दबाव बनाकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। सखावत नवी के मुताबिक उसके पुत्र की हत्या के मामले में गांव के वसीम पुत्र नफीस जेल में बंद है। मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि चार अक्टूबर की शाम करीब सवा 6 बजे वसीम का पिता उसके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। धमकाया अभी तो एक को मारा है, अब मैं मारूंगा।

पीड़ित का आरोप है कि नफीस ने मुकदमे में पैरवी और गवाहों पर गवाही न देने का दबाव बनाया। इतना ही नहीं पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद से परिवार भयभीत है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया मामले की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

जमीन के लालच में पोते ने ली दादा की जान, इलाज के लिए जमीन बेचने से था नाराज

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फारूखाबाद- फरुखाबाद जिले के रतनपुर गांव में जमीन के विवाद में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पोते ने अपने ही सगे दादा की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक बुजुर्ग गजेंद्र ने हाल ही में अपने इलाज के लिए

गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद दूसरा पोता मौके पर पहुंचा और आनन-फानन में उन्हें बाइक से अस्पताल ले गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें इमरजेंसी से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, लेकिन कानपुर ले जाते समय रविवार देर रात करीब 1 बजे उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बहन ने की भगाने में मदद— ग्रामीणों के मुताबिक, गोली मारने के बाद आरोपी

डीएम डॉ. अंकुर लाठर ने किया 69वीं जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फरुखाबाद-- फरुखाबाद के पुलिस लाइन ग्राउंड में 69वीं जनपदीय माध्यमिक विद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2026 का शानदार आगाज हुआ। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए ध्वजारोहण किया और आसमान में गुब्बारे उड़ाकर इस खेल महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। 270 खिलाड़ी दिखा रहे हैं अपना दम-खम- इस खेल प्रतियोगिता में फतेहगढ़, फरुखाबाद और कायमगंज क्षेत्र के लगभग 270 प्रतिभावान छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। डीएम डॉ. लाठर ने मैदान में उतरकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पूरी लगन और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए

संवेदनशील पहल: कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता

आवेदकों के बीच पहुंचे, खड़े होकर सुनीं समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- जिले के नागरिकों की जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिला मुख्यालय विदिशा में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में स्वयं आवेदकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने अधिकारियों की निर्धारित बैठक व्यवस्था तक सीमित न रहकर सीधे आवेदकों के बीच जाकर एक-एक आवेदनकर्ता से संवाद किया। उन्होंने प्रत्येक समस्या को ध्यानपूर्वक सुना तथा कई मामलों में मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को तलब कर आवश्यक निर्देश दिए, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी आवेदकों के बीच पहुंचे और उनकी समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना। आज आयोजित जनसुनवाई में 180 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 97 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। शेष आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों द्वारा समय-सीमा में आवश्यक

कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता, प्राथमिकता एवं गंभीरता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके और शासन-प्रशासन के प्रति नागरिकों का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई - जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जनसुनवाई में सिरोंज तहसील के ग्राम घटवार निवासी श्री मुन्नीलाल सिंह ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण

अंकित कुछ देर घटनास्थल पर ही बैठा रहा। इसी बीच उसकी बहनें अन्नू (15) और तन्नू (13) वहां पहुंच गईं। अन्नू आरोपी को बचाकर दूसरे मकान में ले गई, जिसके बाद वह पुलिस के पहुंचने से पहले ही वहां से फरार हो गया। पुलिस की कार्रवाई जारी- घटना की सूचना मिलते ही जहानगंज पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस को घटनास्थल से तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। सीओ आलोक कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया, आरोपी की तलाश की जा रही है। संभावित ठिकानों पर पुलिस टीम दबिश दे रही है। तहरीर प्राप्त होने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमृतपुर में बाढ़ का कहर: रामगंगा ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड!

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फरुखाबाद-अमृतपुर/ अमृतपुर तहसील में गंगा और रामगंगा की बाढ़ का प्रकोप लगातार जारी है। हालात बिगड़ते जा रहे हैं और रामगंगा इस सीजन के पुराने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए खतरे के निशान से 35 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है।

30 गांवों में घुसा पानी- गुलरिया भावन, वजीरपुर, नौअनपुरवा, सिकंदरपुर समेत लगभग 30 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। अमैयापुर पुलिस और बिचपुरी समेत कई प्रमुख रास्ते पानी में डूब गए हैं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। फसलों पर मार- लगातार जलभराव के कारण किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। खेतों में पानी भरने से गन्ने की फसल प्रभावित हो रही



है, वहीं तिहरी, चारा और बरसाती मक्का की फसलें बर्बाद हो गई हैं। नदी का कटान शुरू- बिचपुरिया गांव में रामगंगा के बढ़ते कटाव ने ग्रामीणों में दहशत बढ़ा दी है। लोग लगातार नदी की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सड़क पर

लगा बाजार- अर्जुनपुर गांव में खेतों से लेकर बाजार तक पानी भर गया है। हालात इतने खराब हैं कि रोजमर्रा की जरूरी चीजें खरीदने के लिए अब बाजार भी सड़क पर लगानी पड़ रही है, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह बेहाल है।

हिन्दू महासभा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, जनसमस्याओं के समाधान की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। अखिल भारत हिंदू महासभा के जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी से मुलाकात कर विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान को लेकर ज्ञापन सौंपा। संगठन ने नवागत जिलाधिकारी का स्वागत करते हुए जनहित से जुड़े मामलों में कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में शहर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था कराने, रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल, कचहरी, तहसील और प्रमुख स्थल विकसित कराने की मांग की गई। डिग्री कॉलेज चौराहे से कचहरी तक सड़क चौड़ीकरण और डिवाइडर निर्माण कराने के साथ यातायात व्यवस्था सुधारने, गति सीमा निर्धारित करने, स्पीड ब्रेकर और चेतावनी संकेतक लगाने की मांग भी की गई। संगठन ने सड़कों पर घूमने वाले आवारा गौवंशों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उनके शरीर पर रिफ्लेक्टिव पेंट या परावर्तक पट्टियां लगाने की मांग की। नगर क्षेत्र में बंद पड़े सार्वजनिक शौचालयों को



संचालित कराने, साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था कराने की मांग भी रखी। रेलवे स्टेशन के पास स्थित करीब सौ वर्ष पुरानी मूलचंद धर्मशाला के जीर्णोद्धार और टनकपुर हाईवे स्थित इमंड कॉलेज के सामने गौहनिया तालाब के चारों ओर बाउंड्री निर्माण कराने की मांग की गई। वाटर वर्क्स परिसर में वर्षों से खाली पड़ी दुकानों का पारदर्शी आवंटन कराने तथा ई-रिक्शा के लिए निर्धारित रूट और स्टैंड बनाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। संगठन ने लकड़ी मंडी क्षेत्र स्थित फौजी पड़ाव की सरकारी नजूल भूमि और वहां संचालित आर मशीनों की जांच तथा भूमि का सीमांकन कराने की मांग की। इसके अलावा शत्रु संपत्तियों, तालाबों, ग्राम समाज की भूमि और अन्य

सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की गई। खाद्य पदार्थों में मिलावट पर रोक लगाने के लिए दूध, घी, तेल, पनीर, मसाले और मिठाइयों की जांच का व्यापक अभियान चलाने की मांग की गई।प्राचीन दशमा मणि स्थल का सीमांकन कर अतिक्रमण हटाने और मार्ग चौड़ा कराने के साथ ग्राम पंचायतों में स्थित शवदाह स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कर वहां साफ-सफाई, पेयजल और टीनशेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। इस दौरान जिला महामंत्री भूपेंद्र सिंह, युवा जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा, युवा जिला महामंत्री आयुष सक्सेना सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विदिशा जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी के द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत वृद्धजनों से संवाद व फल वितरित कर डिजिटल सुरक्षा की जानकारी दी

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन श्री हरि वृद्ध आश्रम में किया गया था।जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने आश्रम में निवासरत वृद्धजनों से आत्मीयता से संवाद किया और उनके स्वास्थ्य एवं सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने वृद्धजनों को फल वितरित कर उनके साथ समय बिताया तथा उनके सुख-दुःख साझा किए। कार्यक्रम के दौरान सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत यूपीआई ऑनलाइन सेवा एवं डिजिटल सावधानी विषय पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के असिस्टेंट मैनेजर श्री राम नारायण सिंह एवं बैंक ऑफ इंडिया के श्री



अर्पण द्वारा वृद्धजनों को डिजिटल लेन-देन और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बैंक प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन बैंकिंग एवं यूपीआई के माध्यम से लेन-देन सुविधाजनक हो गया है, लेकिन डिजिटल सेवाओं का उपयोग करते समय सावधानी बरतना भी आवश्यक है। उन्होंने वृद्धजनों को समझाया कि किसी भी

अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी अथवा मोबाइल पर प्राप्त किसी लिंक को साझा नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक या कोई अधिकृत संस्था फोन पर कभी भी यूपीआई पिन, ओटीपी अथवा पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी नहीं मांगती है। अनजान नंबर से आने वाले फोन, संदेश या लिंक पर विश्वास न करने तथा संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि होने पर तत्काल बैंक से संपर्क करने की सलाह दी गई। डिप्टी कलेक्टर व सामाजिक न्याय विभाग की नोडल अधिकारी सुश्री आरुषि गुप्ता ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए वृद्धजनों को आत्मीय सहयोग प्रदान करने पर बल दिया है।

संक्षिप्त समाचार पूर्व विधायक विजय सिंह के पुत्र विक्री ने किया जनसंपर्क, 2027 के चुनाव को लेकर बढ़ी हलचल

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फरुखाबाद - पूर्व विधायक और सपा नेता विजय सिंह के बेटे अविनाश सिंह उर्फ विक्री कटरा बाजार में लोगों के बीच पहुंचे और जनसंपर्क किया। पिछले कुछ दिनों से उनके लगातार लोगों के बीच पहुंचने को 2027 के विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। अविनाश सिंह उर्फ विक्री ने कहा



कि वह अपने लोगों से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए निकले हैं। उन्होंने कहा, यह मेरा शहर है, मेरा घर है। मेरे माता-पिता को यहां के लोगों का आशीर्वाद मिलता आया है। मैं भी आज सभी से आशीर्वाद लेने के लिए बाजार में निकला हूं।

सपा नेता की कार नीलगाय से टकराई, बाल-बाल बचे डॉ. जितेंद्र सिंह यादव

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फरुखाबाद- जहानगंज थाना क्षेत्र एक होते टल गया। पूर्व प्रदेश सिंह यादव की स्कूल के पास आई एक तरीके से टकरा तेज थी कि कार बड़ा हादसा होते- समाजवादी पार्टी के सचिव डॉ. जितेंद्र कार राजपूताना अचानक सड़क पर नीलगाय से जोरदार गई। टकरा इतनी कार अगला और चालक की तरफ का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में डॉ. जितेंद्र सिंह यादव को केवल हल्की चोटें आई हैं। घटना के समय सपा नेता अपनी पत्नी अनीता रंजन के साथ किसी जरूरी काम से लखनऊ जा रहे थे और कार उनका ड्राइवर चला रहा था। हादसे के बाद मौके पर तत्काल दूसरी कार मंगाई गई, जिससे वे सुरक्षित लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

सपा कार्यकर्ताओं ने फूँका चुनाव आयोग का पुतला, जमकर की नारेबाजी

क्यूँ न लिखूँ सच / फरुखाबाद/ सपा प्रमुख के आह्वान पर फरुखाबाद में समाजवादी पार्टी ने न काला जुलूस चुनाव आयोग के खिलफ जमकर हुई



नारेबाजी सपा कार्यकर्ताओं ने सीईसी के इस्तीफे की मांग उठाई मौका मिलते ही कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग का पुतला फूँका सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव के नेतृत्व में हुआ प्रदर्शन अंबेडकर प्रतिमा तक किया गया पैदल मार्च प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता रहे मौजूद कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र का मामला मांग और प्रदर्शन के बीच पुलिस-प्रशासन की नजर रही पूरे घटनाक्रम पर। उचित कार्रवाई/कानूनी प्रक्रिया को ट्रैक किया जाए।

डिलारी में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत बैठक और जागरूकता रैली

क्यूँ न लिखूँ सच /मुरादाबाद / डिलारी। विकासखंड डिलारी के सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत बैठक ए व जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को संचारी रोगों से बचाव और रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा। बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकर्तियों एवं सहायिकाओं को संचारी रोगों से बचाव के उपायों और रोकथाम के तरीकों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें लोगों को साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, आसपास जलभराव न होने देने तथा मच्छरों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण के बाद जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव के लिए स्वच्छता अपनाने और अपने आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई।

Health Checkup: Why Doctors Check the Tongue and Eyes to Detect Diseases

Doctors look for changes in the color and shape of the tongue and eyes to diagnose illnesses. But how does this reveal an underlying problem? Let's find out more. When you visit a doctor

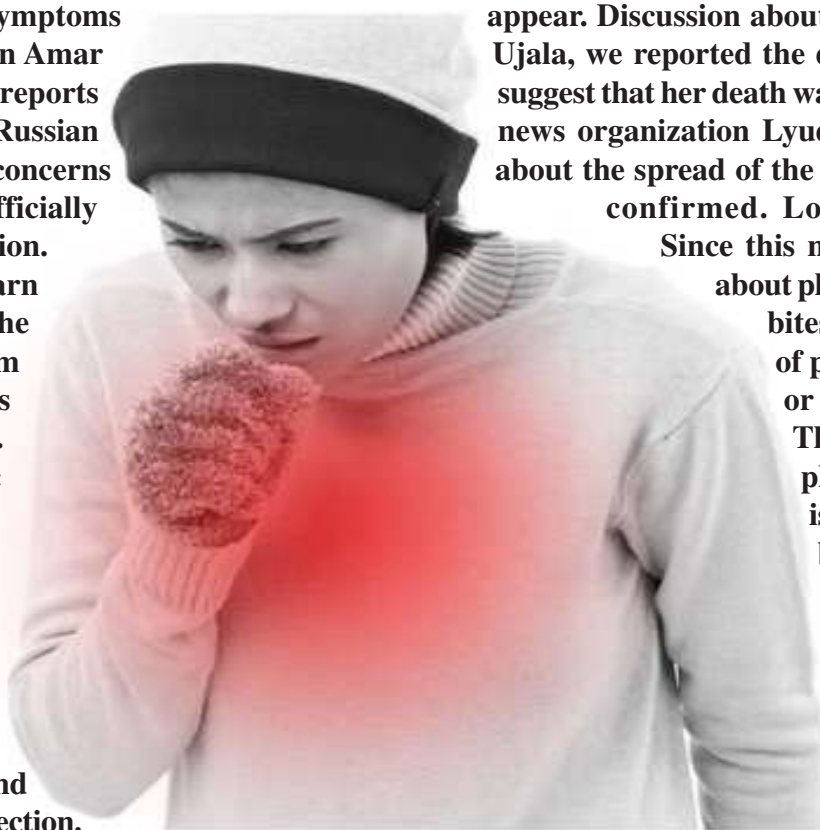


complaining of fever, pain, or any other problem, you may have often noticed that the doctor also checks your tongue and eyes. People often wonder what role the tongue and eyes play in diagnosing fever. Health experts explain that these body parts can provide important information about many health problems. This is why doctors assess the tongue's color, texture, moisture, and any unusual changes in the tongue to make an initial assessment of a patient's condition. The color and surface of the tongue can indicate dehydration, oral problems, or certain nutritional deficiencies. Similarly, changes in the whites of the eyes or their color can indicate problems within the body. Let's explore what problems the tongue, eyes, and nails can indicate. Physician Dr. Raman Verma explains, "Our tongue, nails, and eyes indicate problems within the body. While a disease cannot be confirmed solely by looking at the tongue or eyes, these signs are considered in conjunction with the patient's medical history and blood test reports to accurately diagnose the problem." Why is the tongue checked? Our tongue is usually pink. Changes in its color or texture can sometimes indicate problems within the body. A white coating on the tongue can often be associated with poor oral hygiene or a fungal infection. Similarly, yellowness on the tongue is often a sign of bacterial accumulation, dry mouth, smoking, or poor oral hygiene. A very red or smooth tongue is considered a sign of nutritional deficiencies. If the tongue appears blue, it could be a sign of oxygen deficiency, requiring immediate medical attention. What can the eyes reveal? Doctors don't just examine the eyes for vision. The color of the whites of the eyes is also often important. If the whites of

the eyes appear yellow, it could be a sign of jaundice. In jaundice, a substance called bilirubin increases in the body, causing yellowing of the skin and eyes. To confirm jaundice, doctors also examine the skin, urine, and other symptoms. What can the nails reveal? Nails normally appear smooth and pink. However, sudden changes in their color, thickness, shape, or texture can be a sign of a problem. Changes in nails can indicate a fungal infection, nutritional deficiencies, skin disease, or other internal problems. Blue or purple discoloration of the nails indicates a lack of oxygen in the body. Therefore, these prolonged or sudden changes in the nails should not be ignored. What do doctors say? Doctors say that changes in the tongue, eyes, or nails don't always indicate a serious illness. This is why the patient's report is cross-checked with changes in these organs. Signs in the organs need to be correlated with other symptoms, medical history, and, if necessary, blood tests or other tests.

Pneumonic plague: Alert about this serious lung infection, learn why it's considered dangerous

Pneumonic plague is a serious infection caused by Yersinia pestis bacteria that affects the lungs. It can cause symptoms like high fever, cough, difficulty breathing, and chest pain. It can rapidly worsen, so immediate diagnosis and treatment are essential as soon as symptoms days, thanks to a frightening news report from Russia. In a report published in Amar plague research institute in Siberia, Russia, from an unknown infection. Some reports this has not been officially confirmed. According to a report by the independent Russian technician broke a test tube containing the plague-causing bacteria. This raised concerns Agency later denied this report. The woman's cause of death has still not been officially pneumonia, but whether it was plague-related pneumonia is still under investigation. what plague is and why is pneumonic plague considered so dangerous? First, learn disease caused by a bacterium called Yersinia pestis. It is primarily spread by the and other small creatures. Pneumonic plague is a specific and very dangerous form to others through respiratory droplets produced when an infected person coughs form of plague. It is the most deadly and rapidly spreading of the three forms. septicemic. Bubonic plague primarily affects the lymph nodes, while pneumonic breathing difficulties. Septicemic plague is considered a bloodstream infection. It Plague is a zoonotic disease, meaning it spreads from animals to humans. Its animals and their fleas. In Siberia, the plague bacteria (Yersinia pestis) are found However, the disease is very rare in the general population. Pneumonic plague is directly from one person to another through respiratory droplets produced when Contact with infected pets (such as cats) or wild mammals also poses a risk. plague? Medical reports indicate that symptoms of pneumonic plague develop may experience high fever and chills, headache, extreme weakness, chest pain, and experience a persistent cough and bloody or bloody sputum vomiting due to the infection.



appear. Discussion about pneumonic plague has intensified in recent Ujala, we reported the death of a 28-year-old female employee of a suggest that her death was possibly due to pneumonic plague, although news organization Lyudi Baikal, on September 25th, a female lab about the spread of the infection. However, Russia's Central Health confirmed. Local reports indicate that she died from

Since this news surfaced, people have been wondering about plague: Plague is a serious and deadly infectious bites of fleas living on the bodies of infected rats of plague that infects the lungs. It is transmitted or sneezes. Pneumonic plague is a very serious The other two forms of plague are bubonic and plague spreads directly to the lungs and causes is also commonly known as blood poisoning. bacteria are commonly found in small wild naturally in small wild animals and their fleas. of particular concern because it can spread an infected person coughs or sneezes. What are the complications of pneumonic rapidly within 1 to 4 days of exposure. People difficulty breathing. Some people may also Starting antibiotics within the first 24 hours

of infection with pneumonic plague can reduce the risk of the disease becoming severe. Left untreated, it can be fatal.

Health Talk: Inflammation is a dangerous enemy of the body. Learn about its dangers and how to stay safe.

An anti-inflammatory diet is considered to reduce inflammation in the body. It includes fruits, vegetables, pulses, whole grains, seeds, and nuts. This diet emphasizes reducing the consumption of highly processed and sugary foods. This can provide inflammation to be very harmful to health. Studies have cells. This can increase the risk of heart disease, type 2 advise everyone to take measures to control inflammation Inflammation can occur in response to injury, infection, need has passed. This condition is called chronic Chronic Inflammation and Its Risks - Medical reports persistent stress, and smoking can cause chronic 2 diabetes, and several other health problems. The good Whether it's arthritis or heart disease, health experts problems caused by inflammation. Anti-inflammatory Diet option for controlling inflammation in the body. It whole grains, nuts, seeds, and unsaturated fats. The Mediterranean diet is considered the best option. It primarily emphasizes plant-based foods and healthy fats. It reduces the risk of heart disease and high blood pressure. Beneficial for heart and diabetes - Long-term inflammation in the body is considered a cause of many chronic diseases. Changing eating patterns can help prevent problems like weight, blood sugar, cholesterol, and heart health. Research on the Mediterranean diet has found it to reduce the risk of heart disease and type 2 diabetes. Beneficial for joint problems as well - Eating anti-inflammatory foods can also benefit joint health. Some studies have found this dietary pattern to reduce certain markers of inflammation in the body. Medical reports show that anti-inflammatory diet cannot cure arthritis or any other disease, however it can definitely control the symptoms and risks of the disease. How to maintain diet - To reduce inflammation in the body, vegetables, pulses or other protein rich things can be included in the diet. Including whole grains and nuts-seeds as per requirement can also give you benefits. To reduce the problem of inflammation, health experts advise to eat less white bread, sweetened drinks, highly processed snacks and fried items.



relief from heart problems and arthritis. Health experts consider found that long-term (chronic) inflammation in the body damages healthy diabetes, joint and muscle pain, and even cancer. This is why health experts in the body. Inflammation is a natural protective mechanism of the body. or other problems. Problems arise when this reaction continues after the inflammation. Can changes in lifestyle and diet reduce inflammation? show that problems like poor eating habits, lack of physical activity, inflammation. Over time, this can increase your risk of heart disease, type news is that even small lifestyle changes can help reduce this problem. recommend an anti-inflammatory diet as beneficial in reducing these - Some research has found that an anti-inflammatory diet can be a good emphasizes an eating pattern that includes foods like fruits, vegetables,

Rise and Fall 2: Shahzad Poonawala becomes Swara's fitness coach after settling the dispute. Why did the actress break down in tears on the show?

Actress Swara Bhaskar is currently appearing on the reality show "Rise and Fall 2." Recently, she became emotional while remembering her daughter. Bollywood actress Swara Bhaskar is currently a part of the reality actress recently surfaced, in daughter Rabia, and Tej Swara Bhaskar insisted: "It's to stay away from her young going viral, in which the actress photo of her daughter Rabia present with her on the show, "Someone said 'Sushi' and I "Please show me her face, how much she was missing her Yadav tried to console her - repeatedly tried to console her. offer emotional support. wrote, "Being a working your heart is always at home. Shahzad Poonawala became surfaced, showing the good Bhaskar and Shehzad beginning of the show. relationship improved. actress's fitness coach. It's show over political opinions. Swara, 38, welcomed her daughter, Rabia, with her husband, Fahad Ahmed, in September 2023. Even before entering the reality show, she had spoken about how difficult it was for her to leave her daughter behind. In an emotional Instagram post shared before leaving for the show, she explained that spending nights away from her would be the most difficult part of the experience.



show "Rise and Fall" season 2. A video of the which she was seen crying while remembering her Pratap Yadav was seen trying to calm her down. becoming increasingly difficult for Swara Bhaskar daughter due to work." A video from the show is is seen crying and repeatedly requesting to see a or her face. When Gautam Gulati, who was asked why she became so emotional, Swara said, remembered my daughter." Swara further said, please show me her photo." This clearly showed daughter during the reality show. Tej Pratap Seeing Swara crying, Tej Pratap Yadav Shahzad Poonawala also reached out to Swara to Sharing this video, Swara's Instagram handle mother means your mind is always at work, but Can't wait to hug you. Miss you so much." Swara's fitness coach - Meanwhile, another video bonding between Shahzad and Swara. Swara Poonawala didn't share a good relationship at the However, as the show progressed, their Recently, Shehzad Poonawala became the worth noting that the two often clash outside the

Yami Gautam and Aditya Dhar: The couple left Mumbai and settled in this city? Their beautiful home is spread over 25 acres.

Bollywood actress Yami Gautam and filmmaker Aditya Dhar are reported to have left Mumbai and made Himachal Pradesh their permanent base. Find out what the whole story is. Big news is emerging about Bollywood's power couple, Yami Gautam and filmmaker Aditya Dhar. It's being reported that the couple has moved from the city of dreams to a more peaceful city. Find out how much truth there is in the news. This is where the couple will live: According to a report in the Free Press Journal, Yami and Aditya have decided to live in Himachal Pradesh for a more peaceful and relaxed life. Both keep their personal lives very private and prefer to stay away from the limelight except for work. The couple now travels to Mumbai for work, but prefers to live in Himachal for their personal life. Himachal is special to Yami. Himachal Pradesh is not just a place for Yami Gautam to visit, but it is also very close to her heart. Before her wedding, Yami purchased a 100-year-old heritage property spread over approximately 25 acres in Gohar, Mandi. This home is also associated with her family and childhood memories. Yami and Aditya married in this Himachali home in June 2021. Built of wood and stone, their home is surrounded by greenery and beautiful gardens. It also cultivates crops like apples, potatoes, plums, and ginger. The couple prefers simplicity, away from glamour. According to reports, Yami and Aditya have maintained the simplicity of their Himachal home rather than trying to create a luxurious celebrity home. They enjoy the serene atmosphere and closeness to nature. Away from the constant hustle and bustle of Mumbai and public attention, they are enjoying a more relaxed private life in Himachal. However, they will continue to travel to Mumbai for film-related work.



Rakhi Sawant lashed out at "husband thief" Komal Rani Swarnkar and also made a major statement about Govinda's personal life.

Recently, Bollywood actor Govinda and Komal Rani Swarnkar were spotted at the Mumbai airport. The two have been seen together several times before. Now, Rakhi Sawant has made



a significant statement about Govinda on this matter. Find out what she said. Rakhi Sawant is often in the news for her outspoken style and statements. Now, she has made a significant statement about Govinda's personal life. Previously, Rakhi had posted a video questioning Govinda and Komal Rani Swarnkar's visit to Lalbaugcha Raja. Now, Rakhi has once again come under the spotlight for her statement. Rakhi Sawant lashed out at Govinda. While speaking to paparazzi, Rakhi Sawant expressed her displeasure with Govinda. She said, "Govinda ji, the entire country is angry with you." After this, Rakhi Sawant's conversation quickly shifted to Komal Rani Swarnkar. Taking a dig at Komal, Rakhi asked, "Who is this Komal? She's talking nonsense about me and other celebrities too. Chichi Bhaiya gave her these wings." Rakhi further warned Komal directly. Referring to Sunita, she said, "Listen, don't fall for my words. I'm not Sunita, I'll tear you apart." Furthermore, Rakhi also called Komal a "husband thief" regarding rumors surrounding Govinda. During the conversation, the paparazzi questioned Rakhi about Komal's alleged sindoar. Rakhi sarcastically asked, "Yes, sindoar in Chichi Bhaiya's name?" Rakhi also mentioned her longtime crush on Govinda. She jokingly demanded the actor return her 65,999 rupees. Rakhi claimed that she had spent that much money watching Govinda's films since childhood. She said that she now wants the money back.